भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1625
बुधवार, 27 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री प्रदूषण

1625. श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा:
श्री बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश की समुद्र तटीय सीमा से समुद्र तटीय जल की गुणवत्ता के संबंध में वास्तविक जानकारी एकत्र की जाती है और हितधारकों के साथ साझा की जाती है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार का समुद्र तटीय जल में उच्च प्रदूषण स्तर के मामलों के विषय में एक कार्य योजना विकसित करने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ङ) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र की वैज्ञानिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(च) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में समुद्री प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR), तटीय समुद्र में 10 मीटर पानी की गहराई पर पानी की गुणवत्ता वाले बुवॉय तैनात करके तटीय समुद्र की गुणवत्ता की वास्तविक समय की जानकारी एकत्र कर रहा है। एकत्र किए गए आकड़ों को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ साझा किया जाता है।

(ग) जी हाँ।

(घ) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने तटीय प्रदूषण की रोकथाम के लिए एक कार्य योजना तैयार करने हेतु सभी तटीय राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) और संघ शासित राज्यों की प्रदूषण नियंत्रण समितियों (PCC) को निर्देश दिया है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय इस कार्य में SPCB और PCC की सहायता कर रहा है।

(ङ) NCCR ने वैज्ञानिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई पहलें की हैं।

i. निरंतर जल गुणवत्ता प्रेक्षण के लिए, तट पर जल गुणवत्ताबुवॉय का एक नेटवर्क तैनात किया जा रहा है।
ii. जैविक नमूनों की पहचान और विश्लेषण के पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आणविक उपकरणों के उपयोग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

iii. विश्व के अग्रणी समुद्र विज्ञान संस्थानों के (JAMSTEC, जापान; CeFAS, यूनाइटेड किंगडम; NIVA, नॉर्वे) के साथ सहयोग
iv. समुद्री स्थानिक योजना, समुद्री कचरे की निगरानी, तटीय बाढ़ जैसे नए अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

(च) निम्नलिखित उपायों को लागू किया जा रहा है:

i. समुद्री प्रदूषण को कम करने के लिए तटीय राज्यों और संघ शासित राज्यों द्वारा कार्य योजना को तैयार करना।
ii. तटीय जल गुणवत्ता पर वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए जल गुणवत्ता बुवॉय की तैनाती।
iii. मौजूदा मानकों के अनुपालन की जांच करने और तटीय जल की गिरावट को रोकने के लिए मानकों को अद्यतन करने के लिए भारतीय तट पर समुद्री कचरे का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिक प्रयोग किए गए हैं।
iv. समुद्र तटों और तटीय क्षेत्रों को साफ रखने के लिए जनता और हितधारक के बीच जागरूकता पैदा करने हेतु स्वच्छ तट अभियान नियमित रूप से चलाए जाते हैं।

****